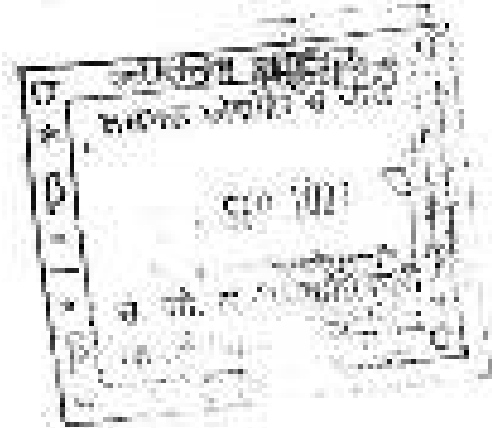




विक्रय विलेख

प्रतिलिखित की प्रतिलिखित	-	रु० 2,70,193/-
अथवा गुण	-	रु० 1,17,563/-
अथवा अन्य एवं विलेख लेख	-	रु० 27,200/-

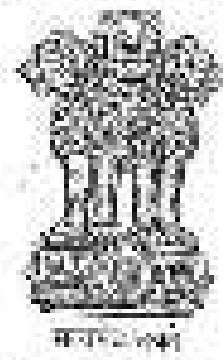
1. दूरी का प्रकाश - दूर
2. प्रमाण - विनोद
3. गुण - अथवा प्रमाण
4. अथवा अन्य एवं विलेख लेख - गुण अथवा अथवा 112 रु०

प्रमाणित विलेख



भारतीय गैर न्यायिक
भारत INDIA

रु. 500



FIVE HUNDRED
RUPEES

पाँच सौ रुपये

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 9. पेड़ों वर स्थिति - नुस गले है।
- 10. वीरेश/ कुमा उच्च - नुस गले है।

वीरेश्वरी बन्धन सं० 112

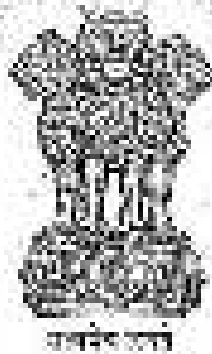
- जन्म : सारा संख्या-91
- वसिप : सारा संख्या-111, 115
- पुत्र : सारा संख्या-113
- पत्निका : सारा संख्या-111, 119



Uttar Pradesh Government
Revenue Department

भारत INDIA

FIVE HUNDRED
RUPEES



Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

सितार १५ दि सज्जा

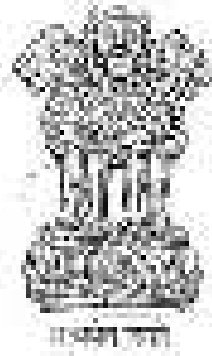
पेज ११ विवरण

श्रीमती सुमरानी पत्नी स्वा कुलवन्धु नियरी प्रम दशानपुर लेवती, परगना मिननीर, तहसील व जिला मछनरु।	श्रीमत् प्रमदीश एण्ट इनरुमदुम्बर सिंह रजिस्टर्ड आफिस 115, असल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001, वर्तमान पत्नी सुतीव लाल वार्ड04एमसीएर0 बिलिंग, 13, राधा प्रसाद मार्ग, लखनऊ द्वारा अश्विनी हस्ताक्षरी श्री अश्विनी प्रसाद द्विवेदी पुत्र श्री बेनी प्रसाद द्विवेदी वर्तमान व स्थायी पत्नी सुतीव लाल वार्ड04एमसीएर0
--	---

Work Properties & Satisfaction: 171

भारतीय गैर न्यायिक
भारत INDIA

रु. 500



FIVE HUNDRED
RUPEES

पाँच सौ रुपये

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



वापस- कुं	बिल्डिंग, 13, रामा प्रताप मार्ग, लखनऊ वापसाय- व्यापार/न्यायिक
-----------	--

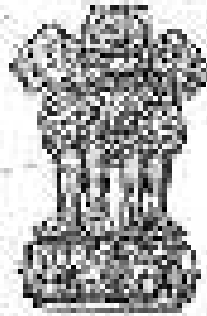
यह निम्न विवेक शीघ्रता पञ्चतमी फनी २०० फुलधर निवासी
ग्राम ज्ञानपुर पोखरी, परगना बिजनीर, तहसील व जिला लखनऊ जिन
जाने विवेकता कदा गन ३३ एवं असात भारतीय दण्ड इनकारद्वारा सि
एजिकर्ट आफिस 115, अल्ल भवन, 16, लक्ष्मण गंधी मार्ग, नई
दिल्ली-110001, वर्तमान पता कुटीर तल बर्दादरसी0000 बिल्डिंग, 13,
रामा प्रताप मार्ग, लखनऊ अथ अधिकृत तलासरी डी अविनाश प्रसाद

[Signature]

Attest [Signature]
[Signature]
[Signature]

भारतीय गैर न्यायिक भारत INDIA

रु. 500



FIVE HUNDRED
RUPEES

पाँच सौ रुपये

Rs. 500

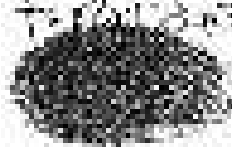
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



हिलेरी गुरु श्री देवी प्रसाद हिलेरी वर्तमान ४ स्थरी का तृतीय तह
वाई 00/00सी 0770 विजिदर, 11, राजा प्रताप राव, तल्लक हिलेरी अने
कोता २२ गव है के गव विवादिता हिला गवा

१४ कि हिलेरी मुमे लमर शख्या 112 लखा 0.347 रेकेंडा
वा 1/5 मर अवात विवित लखा 0.0634 रेड स्थित राज लानपुर
सेवली परगना विजिदर, तल्लक २ विता लल्लक का गारिक, कमिल २
कमिल है २३१ उपयुक्त कलापित कलापित जाता ललीनी कम संख्या



Printed and Published by: [illegible]

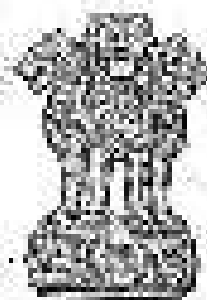


भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100



ONE
HUNDRED RUPEES

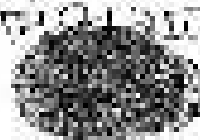
भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 7 -

00035 के अनुसार भूमि विज्ञप्ति के नाम अक्रमशः भूमिपत्र के रूप में
कई हैं और विज्ञप्ति को उक्त भूमि विक्रय करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त
है। और विज्ञप्ति के नाम का अपराध प्रमाण संलग्न अभिलेखों में हो गया
है। विज्ञप्ति अन्तः सम्पूर्ण विज्ञप्ति के नाम को इस विषय लिखित द्वारा विज्ञप्ति
का रूप है विज्ञप्ति उपरोक्त सम्पूर्ण भूमि के नातिक, सम्पत्ति व सम्पत्ति है
एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है और उक्त भूमि सम्पत्ति
भूमि का विज्ञप्ति नहीं है। उक्त भूमि सम्पत्ति, मन्ते की भूमि नहीं है। यह
कि विज्ञप्ति-28 पंक्ति यथा है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार से



Legal Expenses & Attorneys Fee

21/05/2004

भारी से मुक्त एवं एक व राफ है तथा बिदेता ने उसे इस विषय के पूर्व कहीं खय, डिया, गिरदी या अनुबन्धित इत्यादि नहीं किया है। बिदेता ने जल भूमि पर भूखे जल या अन्य प्रकार का कोई खय नहीं किया है। यदि कोई ऐसा खय भविष्य में निकलता है तो उसके विनियम बिदेता व उसके वारिधाय व विभिन्न उत्तराधिकारी होंगे। जमीन भूमि व जल का कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी न्यायाधीश के उत्तराधिकार का वस्तु विषय नहीं है, न ही मुक्त स्वामि है। बिदेता के अलावा जल भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का माल, हक या दावा इत्यादि नहीं है, एवं बिदेता ने जल विषय अन्तर्गत करने का पूरा अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सम्पत्ति के फलस्वरूप मूल विषय मूल्य रु० 2,70,180/- के प्रमाण में जिसका एकीकृत रूपांतर बिदेता को इस विवेक के अन्त में ही गई अनुसूची में समित विधि के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्रविधि वर बिदेता यहाँ लीकर करते हैं, तदनुसार जल बिदेता जल क्षेत्र के अन्त जमीन भूमि, जिसका विवरण इन विषय विवेक के अन्त में अनुसूची के उत्तराधिकार दिया गया है, को कहीं खय दिया है, एवं बिदेता ने विषयभूत भूमि वर मोटे पर कपड़ा केत को बरखी करा दिया गया है। जल जल जमीन पर बिदेता तथा उसके वारिधाय का कोई अधिकार नहीं है। बिदेता ने विक्रयभूत सम्पत्ति को अपने स्वामित्व के माल अधिकारों से साथ पूर्णतया व स्वयं के लिए केत को उत्तराधिकार कर दिया है। जल क्षेत्र विक्रयभूत सम्पत्ति एवं उसके प्रत्येक भाग को अपने सम्पूर्ण स्वामित्व व अधिकार व कर्तव्य में सम्पत्ति के रूप में



में धारण एवं उपयोग व उपयोग करने । विदेशों में उसके प्रतिष्ठान रखने किसी प्रकार की व्यवस्था बना नहीं सके हों एवं - वे कोई एक कर उनके और यदि विदेशीय सम्पत्ति अथवा कोई भाग विदेश के नागरिकों में बँटने के कारण वे अपनी व्यवस्था व अपनी बुराई के कारण केता या उसके प्रतिष्ठान निष्ठाव्यवस्था इत्यादि के कच्चे या अधिकार या कृत्य से निकल जाये तो केता उसके प्रतिष्ठान, निष्ठाव्यवस्था इत्यादि को यह एक होगा कि यह जहाँ समस्त मुकदमा यह दर्जा व कार्य, केता की वल, व्यवस्था सम्पत्ति में न होने अवसर्त परमूल पर लें। उस स्थिति में केता एवं उसके प्रतिष्ठान दर्जा व कार्य देने हेतु बाध्य होगा ।

यह कि विदेशों में भी पोषित करने है कि ऊपर श्रुति व्यवस्था व्यवस्था प्राधिकरण, तत्पश्चात् तथा उचित अवसर एवं विदेशी प्रतिष्ठान, तत्पश्चात् तथा अन्य किसी भी सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्था द्वारा अधिपरीत नहीं की गयी है और - ही प्रस्तावित है ।

है कि केता केवल व्यवस्था सम्पत्ति की दक्षिण दक्षिण समस्त प्रतिष्ठान में अपने रूप एवं वला ही तो विदेश की कोई आगति - होती और यह कि इस विषय में केता के पूर्व का अगर कोई व्यवस्था किसी तरह या भए इस सम्बन्ध में होगा तो उसके विदेशी अनुमान व करने, विदेशों की कोई आगति - होती ।

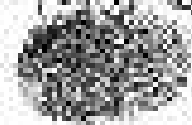


For the Director of Industries



यह कि उपरोक्त खसरा नम्बर ग्राम झतपुर खेवली अर्धनगर क्षेत्र के विहित आग के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित चार्जिज रेट ₹ 13,75,000/- प्रति हेक्टेयर है यदि भूमि का विक्रय कम्पनी से पट्टा में हो रहा है इसलिए 25 प्रतिशत वृद्धि करते हुए ₹ 17,18,750/- के हिसाब से विक्रीत भूमि 0.0684 हेक्टेयर की मानिकत ₹ 1,17,563/- होती है चूंकि खसरा पुराना भूमि की वास्तविक मूल्य से अधिक है इसलिए नियमानुसार विक्रय मूल्य पर है ₹ 27,100/- जलदा न्याय्य अर्थ किया जा रहा है। यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि क्षति के उपबोध के लिए कब की जा रही है भूमि में कोई भी इमारत आदि नहीं है तथा किसी प्रकार की जवाबदाय गतिविधि नहीं चल रही है तथा 200 मीटर के अर्धनगर में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि किसी लिंक मार्ग, गलियारा व जनगणित मार्ग पर स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि कुलकुल पेट से 3 अमर शरीर पथ से लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। निकेता अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है। इस विक्रय प्रोसेस के निष्पत्ति का समुचित अर्थ देना द्वारा बताना किया गया है।

निर्दिष्ट 21/07/2021



Handwritten signature or initials in the bottom right corner of the page.

118/2000/33

विषय

33/01/00 से 30/01/00 तक
प्रतिदिन 100 से 150 तक

विषय

विषय

विषय

विषय

विषय

विषय



विषय

विषय

विषय

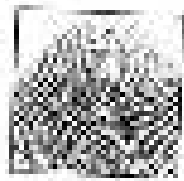
विषय

विषय

विषय



विषय



विषय

विषय

विषय

विषय

विषय

विषय

विषय

विषय

विषय



विषय

सिद्धांत यह सिद्ध पत्र सिद्धांत में केंद्र के पक्ष में लिख दिया गये।
समय गये और आवश्यकता पड़ने पर काम आये ।

पॉलिमर: अणुमान विवरण

1. भिन्ना को रु० 7,70,180/- द्वारा एक गुब्बारा- 5 पड 2/4
जिम्मा 10.09.2007/ 0000 नैश्वर पैदा, हवातमें लाने
केन से प्राप्त हुए।

इस प्रकार विवेका को कुल विक्रय मूल्य रु० 2,70,180/- (दो लाख सात हजार अठ्ठाईस हजार रुपये मात्र) केवल ही नाम पर मिलनी प्राप्ति विवेका स्वीकार करते हैं तथा अब कोई धनयाचि विवेका को वसूल में सेवा प्रेम नहीं है।

594

दिनांक : 10.09.2023

प्रवाद मिलेता की पुस्तक की

1. ~~24-000005~~ 5/2

2000

The Journal of Creative and Performing Arts

विष्णु

1000

51

- ## 2. डेटा की पहचान की

Вопрос: Каким образом?

Approximate number of students

64-4716-

10

मित्र शर्मा

प्रिन्सिपल सचिव

गुणविशेषता:-

(सिद्धांत सुद्धांत सिद्धांत)

प्राप्त

Patient

[illegible]

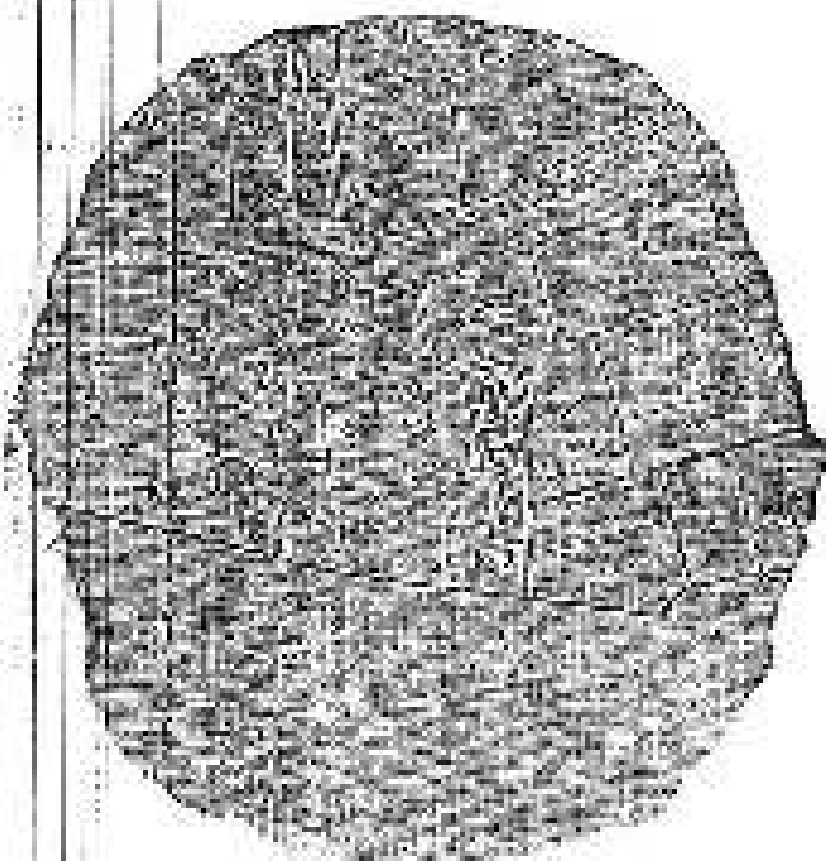
ਪੰਨਾ 1 ਫਾਈਲ ਨੰਬਰ 1

ਸੰਦਰਭ ਨੰ. 112

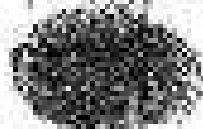
ਦਿੱਤੀ 0-0-66 ਪੰਨਾ 1

ਪੰਨਾ 1 ਫਾਈਲ ਨੰਬਰ 1

ਦਿੱਤੀ 0-0-66 ਪੰਨਾ 1



ਦਿੱਤੀ 0-0-66 ਪੰਨਾ 1



ਦਿੱਤੀ 0-0-66 ਪੰਨਾ 1

ਦਿੱਤੀ 0-0-66 ਪੰਨਾ 1

ਦਿੱਤੀ 0-0-66 ਪੰਨਾ 1

ਦਿੱਤੀ 0-0-66 ਪੰਨਾ 1

Query

Registration No. 2195

Year

1977

Serial No.

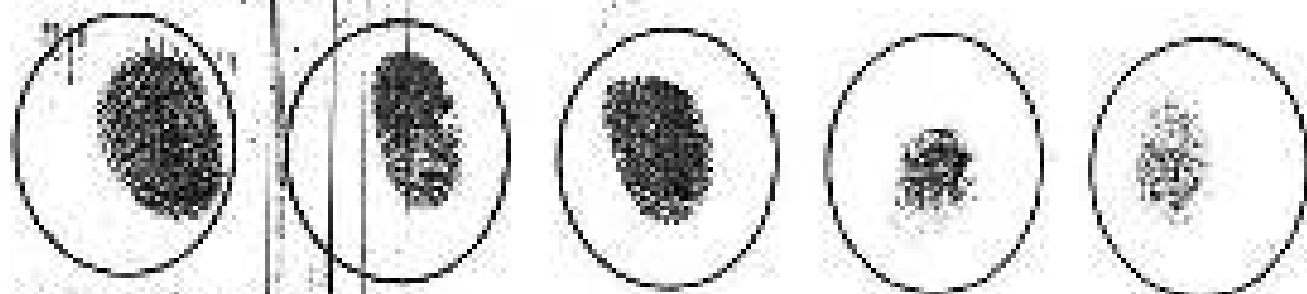
6201 अखिल भारतीय छात्र छात्राणि मण्डल संस्थापक मंडल
का कार्य दिवस
12 मार्च से 15 मार्च 1977 तक
दिल्ली



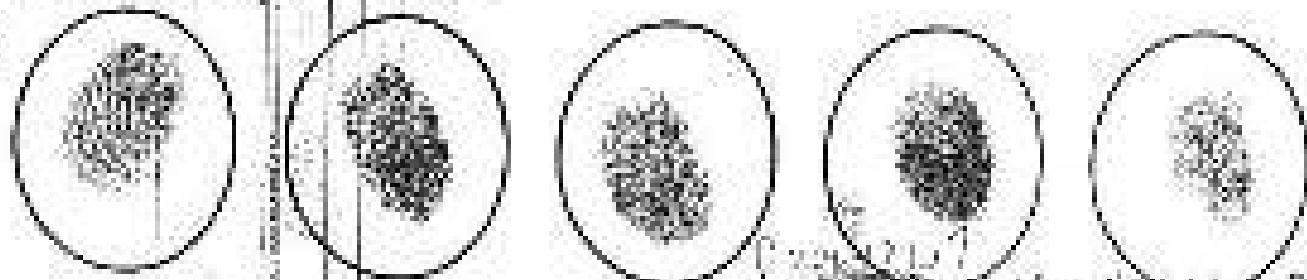
रजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32-ए. के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्ट्स

अनुसूचक/विशेषता का नाम व पता :- म. ल. रानी १५० ब्रह्मपुरी बिहार

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



बाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-

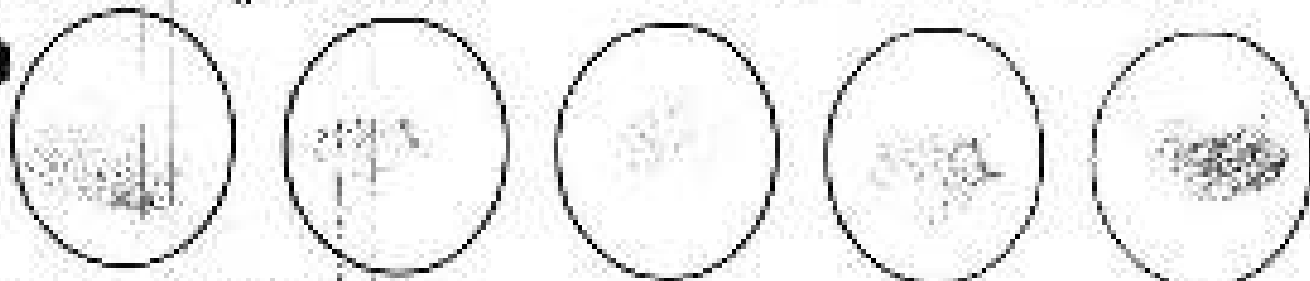


अनुसूचक/विशेषता का नाम व पता :- म. ल. रानी १५० ब्रह्मपुरी बिहार

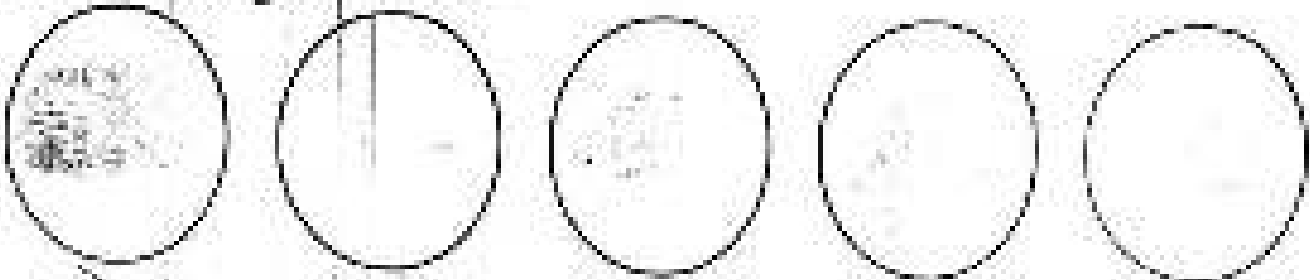
विशेषता/लेखा का नाम व पता :-

म. ल. रानी १५० ब्रह्मपुरी बिहार

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



बाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह :-



विशेषता/लेखा का नाम व पता :-

आम दिनांक 10/08/2007 को

पृष्ठ सं. 1 दिनांक 0571

पृष्ठ सं. 152 के 182 पृष्ठ सं. 8121

परिलक्षित किया गया .

एन.ए.एन.एन.

रूप निगम (भारत)

संस्थापक

10/08/2007

